Financial Accounting (Hons)

B. Com Part I

Q. What is Single Entry System. What are its advantages and disadvantage & How is it distinguished from Double Entry System. (इकहरा लेखा प्रणाली क्या है ? इसके लाभ हानि क्या है। यह दोहरा लेखा प्रणाली से किस प्रकार भिन्न है।)

Ans:- एकहरा लेखा प्रणाली से अर्थ ऐसी लेखा प्रणाली से है जिसमें व्यापार व्यापार के सभी लेन देनो का लेखा हिसाब-किताब की पुस्तकों में नहीं की जाती है। इसमें कुछ लेन देनो का जिनका सम्बन्ध वास्तविक खातों से होता है, एक ही लेखा किया जाता है तथा व्यक्तिगत खातो से सम्बन्धित लेन-देनो का दोहरा लेखा किया जाता है और आय व्यय खातें से सम्बन्धित लेन देनो का कभी-कभी कोई लेखा नहीं किया जाता है। इस प्रकार इसमें लेन देनो का लेखा अपूर्ण रहता है। अतः इस प्रणाली को अपूर्ण बही खाता प्रणाली भी कहा जाता है। इस प्रणाली का प्रयोग छोटे व्यापारियों द्वारा सुविधा तथा बचत की दृष्टि से किया जाता है।

इकहरा लेखा प्रणाली की विशेषताएँ (main features)

1. इस प्रणाली मे व्यक्तिगत खाते को अधिक महत्व दिया जाता है। अतः रोकड़ बही के ~~[illegible]~~ समय-समय पर केवल लेनदारों तथा देनदारो के खाते खोले जाते है।
2. इसमे दोहरा लेखा प्रणाली की भाँति सहायक बहियाँ रखी जा सकती है। पर इनकी खतौनी केवल व्यक्तिगत खातें में ही की जाती है।
3. इसमे वास्तविक तथा अवास्तविक खाते नहीं खोले जाते हैं अतः लाभ हानि खाता तैयार कर लाभ हानि ज्ञात नहीं की जा सकती है।
4. इसका प्रयोग बड़े व्यापारों अथवा कम्पनियो में प्रयोग नहीं की जाती है।

Advantages of Single Entry System.

1. इस प्रणाली मे लेखा करना सुविधाजनक होता है क्योंकि सभी लेन देनों का दोहरा रूपो का लेखा नहीं किया जाता है।
2. यह प्रणाली मितव्ययी है, क्योंकि लेखे थोड़े से बहियो में की जाती है।
3. इस प्रणाली मैं लेखा करने के लिए विशेष ज्ञान की आवश्यकता नहीं होती है। अतः लेखा सिद्धान्त को नहीं जानने वाला भी इस ~~इस~~ प्रणाली मैं लेखा कर सकता है।

Disadvantages of Single Entry System

① लेखे की शुद्धता की जाँच असम्भव :- इस प्रणाली में सभी लेन-देनों के दोनों रूपों का लेखा नहीं होने के कारण तलपट तैयार करना सम्भव नहीं होता है। अतः खातों की शुद्धता की जाँच नहीं की जा सकती।

② शुद्ध लाभ हानि ज्ञात करना कठिन :- इस प्रणाली में वास्तविक तथा अवास्तविक खातों को नहीं रखा जाता है। अतः लाभ हानि खाता बनाकर शुद्ध लाभ या हानि ज्ञात करना कठिन होता है।

③ आर्थिक स्थिति ज्ञात करना कठिन :- लेन देनों का पूर्ण लेखा नहीं होने के कारण इस प्रणाली में चिट्ठा नहीं बनाये जा सकते। अतः सही आर्थिक स्थिति ज्ञात करना कठिन होता है।

④ जालसाजी का भय :- अवास्तविक तथा विभिन्न सम्पत्तियों का खाता नहीं रहने के कारण सम्पत्तियों पर नियन्त्रण नहीं रहता। अतः छल, कपट, गबन आदि की सम्भावना अधिक रहती है।

⑤ उपयोगी आँकड़े न प्राप्त होना :- सभी लेन देनों का पूर्ण लेखा नहीं होने के कारण व्यापार के सम्बन्ध में उपयोगी आँकड़े प्राप्त नहीं होते,
(i) व्यापार के बेचने के समय उनका मूल्यांकन करने में कठिनाई होती है।
(ii) आयकर या विक्रयकर आदि देने में कठिनाई होती है।
(iii) व्यापार के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करने में कठिनाई।
(iv) विभिन्न वर्षों का तुलनात्मक अध्ययन सम्भव नहीं।

एकहरा लेखा प्रणाली तथा दोहरा लेखा प्रणाली में अन्तर

अन्तर के आधार	दोहरा लेखा प्रणाली	एकहरा लेखा प्रणाली
1. लेखा	① इसमें प्रत्येक लेन देनों के दोनों रूपों का लेखा किया जाता है।	① इसके कुछ लेन देनों का दोहरा लेखा कुछ का एकहरा लेखा तथा कुछ लेन देनों का लेखा ही नहीं किया जाता है।
2. खाते खोलना	② इसमें व्यक्ति वास्तविक तथा अवास्तविक सभी प्रकार के खाते खोले जाते हैं।	② इसमें केवल व्यक्तिगत खाते तथा रोकड़ खाते खोले जाते हैं।
③ तलपट तैयार करना	③ इसमें तलपट तैयार कर लेखों की शुद्धता की जाँच की जा सकती है।	③ इसमें तलपट तैयार कर लेखों की शुद्धता की जाँच सम्भव नहीं है।

अन्तर का आधार	दोहरा लेखा प्रणाली	एकहरा लेखा प्रणाली
4. शुद्ध लाभ हानि ज्ञात करना	4. इस प्रणाली में लाभ हानि ज्ञात कर व्यापार की शुद्ध लाभ-हानि ज्ञात की जा सकती है।	4. इसमें शुद्ध लाभ हानि ज्ञात करना कठिन है लाभ हानि का केवल अनुमान ही लगाया जा सकता है।
5. चिट्ठा के तैयार करना	5. इसमें आर्थिक चिट्ठा तैयार कर व्यापार की आर्थिक स्थिति ज्ञात किया जा सकता है।	5. इसमें चिट्ठा तैयार नहीं किया जा सकता। अतः आर्थिक स्थिति का ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता।
6. समायोजनाएँ	6. इसमें समायोजन किये जाते हैं।	6. इसमें समायोजनाएँ की ओर विशेष ध्यान नहीं दिये जाते हैं।
7. उपयोगिता	7. यह प्रणाली सभी प्रकार के व्यापारों के लिए उपयोगी होता है।	7. यह केवल छोटे व्यापारों तथा व्यक्तिगत संस्थाओं द्वारा ही प्रयोग किये जाते हैं।
8. वैधानिक महत्व	8. इस प्रणाली के अन्तर्गत रखे गये लेखा बही का वैधानिक महत्व भी होता है और न्यायालय में प्रमाण के रूप में माना जाता है।	8. इसे न्यायालय में प्रमाण के रूप में नहीं माना जाता है।